हो रयो बाबा की नगरी में केसर चंदन को छिड़काव भजन लिरिक्स

हो रयो बाबा की नगरी में,
केसर चंदन को छिड़काव,
चंदन को छिड़काव,
केसर चंदन को छिड़काव,
हो रयो बाबा की नगरी मे,
केसर चंदन को छिड़काव।bd।

वाह रे वाह फागण अलबेला,
श्याम धनी का भरता मेला,
वायु मंडल भया सुनहरा,
चाकरियो हूँ श्याम शरण को,
मन में मोटो चाव,
हो रयो बाबा की नगरी मे,
केसर चंदन को छिड़काव।bd।

मन्दरीये में डम्बर फूटयो,
रूह गुलाब को झरनो छुटो,
प्रीत करि सोहि जस लुटयो,
बढभागी मे हुयो अनूठो,
दाता को दरसाव,
हो रयो बाबा की नगरी मे,
केसर चंदन को छिड़काव।bd।

मेहकण लाग्यो देश धुधांरो,
खोल दियो बाबो भंडारो,
सुफल होग्यो मिनक जमारो,
मैंने यो दिल से सिंगारयो,
जैसे भयो लगाव,
हो रयो बाबा की नगरी मे,
केसर चंदन को छिड़काव।bd।

‘श्याम बहादुर शिव’ फरियादी,
समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

श्याम नाम की नीव लगादी,
मन मंदिर में ज्योत जगादी,
एक झलक अपनी दर्षादी,
मिला ह्रदय का भाव,
Bhajan Diary Lyrics,
हो रयो बाबा की नगरी मे,
केसर चंदन को छिड़काव।bd।

हो रयो बाबा की नगरी में,
केसर चंदन को छिड़काव,
चंदन को छिड़काव,
केसर चंदन को छिड़काव,
हो रयो बाबा की नगरी मे,
केसर चंदन को छिड़काव।bd।

Singer – Vikash Ruia

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com